यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

# श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

## जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2017

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

**प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 5**

**पूर्णांक :** 100

नाम.....पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम.....जन्मतिथि.....मोबाइल.....रोल नं.....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हो । ( )
2. 97 अंक एवं सामायिक करने वाले 3 अंक प्राप्त कर सकते है। ( )

**प्रश्न 1. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए** **10×2 = 20**

1. वत्थगंधमलंकारं ..... वुच्चई।

.....

.....

2. रूपी अजीव किसे कहते है? सूक्ष्म परिणत पुद्गल में कितने स्पर्श होते है? कौन-कौनसे ?

.....

.....

3. मनुष्यायु बंध के 4 कारण बताइए?

.....

.....

4. मूलबीय ..... चित्तमंतमक्खाया।

.....

.....

5. गिहिणो ..... य।

.....

.....

6. मोहनीय कर्म किसे कहते है?

.....

.....

7. भाषा वर्गणा किसे कहते है?

.....

.....

8. जया सव्वत्तगं ..... केवलि।

.....

.....

9. जइ तं ..... भविस्ससि ।

.....

.....

10. औदारिक, तैजस, मन, कार्मण वर्गणा के उदाहरण क्या-क्या है?

.....

.....

**प्रश्न 2. जोड़ी मिलाईये :-** **5×1 = 5**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. आयु | – | मुनिमानक | ..... |
| 2. विसंवदानता | – | निरूपक्रमी | ..... |
| 3. तिष्णुता | – | आयंबिल | ..... |
| 4. दुमपुप्फिया | – | कुर्तक | ..... |
| 5. गिहत्थसंसट्ठेण | – | तीन गुप्ति | ..... |

**प्रश्न 3. संख्या में उत्तर दीजिए:-** **10×1 = 10**

1. वर्गणाए कुल कितने है- ( )

2. पौषध ग्रहण करने के बाद कुल कितनी बातों की शुद्धता रखनी चाहिए- ( )

3. भक्ताम्बर की कितनी गाथाए रामबाण औषधि है- ( )

4. सूक्ष्म परिणत पुद्गल में उत्कृष्ट कितने स्पर्श हो सकते है- ( )

5. सामण्णपुव्वयं नामक अध्ययन के कितने गाथाएँ है- ( )

6. भगवान मल्लिनाथजी के शिष्य सम्पदा कितने है- ( )

7. श्रावकजी दान के लिए अपने घर के द्वार खुले रखे यह कौनसा नंबर श्रावकजी के 21 गुण में से है ( )

8. कितने महीने में मुनि मनक ने अध्ययन एवं आराधना कर स्वर्गस्थ हुए- ( )

9. कितने काय के जीवों की रक्षा के बिना चारित्र धर्म का पालन नही हो सकता है- ( )

10. कुल कितने अनाचारों का वर्णन तृतीय अध्ययन में है- ( )

**प्रश्न 4. सही गलत निशान लगाइएः-** **10×1 = 10**

1. जो इन्द्रियों के विषयों का त्याग करता है वह कभी संतोष नहीं होता- ( )

2. पूर्ण वैराग्य के साथ थोडे समय तक पालन किया हुआ संया भी सुगति देने वाला है- ( )

3. पौषध में अकारण दिन में शयन नहीं करना चाहिए- ( )

4. राजा हिरण्याभ के पुत्र का नाम पवनंजय था- ( )

5. कषाय के निमित्त से स्थितिबंध एवं प्रदेश बंध होता है- ( )

6. गड़ढे आदि में गिर पड़ना वेदना मरण है- ( )

7. महाबल मुनी की आत्मा रानी प्रभावती के गर्भ में आई- ( )

8. श्रावकजी स्वधर्मी भाई-बहिनों की सहायता सोच समझ कर उचित हो तो ही करे- ( )

9. अज्ञानी अपने कल्याण और अकल्याण के भी समझ नहीं सकता है- ( )

10. परमाणु से लेकर असंख्यात प्रदेशी स्कंध तक के पुद्गलो को जीव ग्रहण नहीं करता है- ( )

**प्रश्न 5. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिएः-** **16×1 = 16**

1. अनाथता को छोड़कर सनाथ होना, अपने आप ही अपना मित्र बनना प्रत्येक ..... का कर्त्तव्य है।

2. खुले मुँह बोलने वाले तथा जिसके पास ..... हो उसे वार्तालाप नहीं करना।

3. ..... ऊपर की तपस्या तिविहार हो तो गरम पानी का ही उपयोग करना चाहिए।

4. नैमित्तिको ने बताया है कि विद्युतप्रभ युवावस्था में ही ..... होकर मोक्ष प्राप्त कर लेगा।

5. वर्तमान में धारणा परम्परानुसार पौषध ..... प्रकार का माना-जाता है।

6. अन्त में ..... देकर प्रत्याख्यान में लगे अतिचारों का प्रतिक्रमण किया जाता है।

7. पूर्व भव में ..... किया था, इसलिए स्त्री वेद मिला था।

8. कर्म न काया, मोह न माया, भूख न ..... रंक न राया।

9. ..... जीवों का रक्षक होने से व्रतों का पौषक होने वाला व्रत पौषध कहलाता है।

10. अजर-अमर ..... निरंजन जयति सिद्ध भगवन् ।

11. अचानक कोई वस्तु मुंह में गिर जाये तो ..... आगार है।

12. आत्मा ही आत्मा के लिए ..... नदी तथा ..... वृक्ष के समान है।

13. घी का कुछ अंश रहता है, उस बर्तन से दिया हुआ आहारादि ग्रहण करना पड़े तो ..... आगार है।

14. ..... का स्वामी राजा श्रेणिक उद्यान में पहुंचे।

15. अंजना महासती और पवनकुमार का जीव ..... में जन्म लेकर मोक्ष प्राप्त करेगा।

16. ..... को जिस दिन दीक्षा ग्रहण की उसी दिन उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हो गया।

**प्रश्न 6. भावार्थ लिखिएः-** **2×5 = 10**

1. वयं च वित्तिं लब्भामो, ण य कोइ उवहम्मइ।

अहोगडेसु रीयंते, पुत्तेसु भमरा जहा ।।

.....

.....

.....

2. अट्ठावए य णाली य छत्तस्स य धारणट्ठाए।

तेगिच्छ पाहणा पाए, समारंभं य जोइणो।

.....

.....

.....

3. सण्वभूयप्पभूयस्स, सम्मं भूयाइं पासओ।

पिहियासवस्स दंतस्स पावकम्मं ण बंधइ।।

.....

.....

.....

4. तवोगुण पहाणस्स उज्जुमइ खंतिसंजमरयस्स।

परीसहे जिणंतस्स, सुल्लहा सुगई तारिसगस्स।।

.....

.....

.....

5. तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाइ सुभासियं।

अंकुसेण जहा णागो धम्मे संपडिवाइओ।।

.....

.....

.....

**प्रश्न 7. मूल गाथा लिखिएः-** **2½×2 = 5**

1. संयम से बाहर जाते हुए मन को वश में करने के लिए शरीर की सुकोमलता का त्याग करके ऋतु अनुसार आतापना लेनी चाहिए, तपस्या करनी चाहिए और रागद्वेष को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, ऐसा करने से प्राणी सुखी होता है।

.....

.....

.....

2. तप संयम में अनुरक्त, सरल प्रवत्ति वाले तथा बाइस परिषहों को समभावपूर्वक सहन करने वाले साधक के लिए सुगति प्राप्त होना सरल है।

.....

.....

.....

**प्रश्न 8. उत्तर लिखिएः-** **7×3 = 21**

1. आयुकर्म से आपने क्या शिक्षा प्राप्त किया संक्षिप्त में लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

2. सव्वसमाहि वत्तियागारेणं, आउट्टणपसारणेणं किसे कहते है?

.....

.....

.....

.....

3. हा! नित्य घटती ..... बच सकता नहीं ?

.....

.....

.....

.....

4. ज्ञान प्रत्यनीकता व ज्ञान विसंवादनता में क्या अन्तर है?

.....

.....

.....

.....

5. नास्तं कदा ..... लोके।

.....

.....

.....

.....

6. संसार-दुःख के ..... दीजिए।

.....

.....

.....

.....

7. एकासन सूत्र लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

8. तुभ्यं नमस्त्रि भुव ..... शोषणाय ।

.....

.....

.....

.....